RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2018-2020

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 4 अंक : 04 | लखनऊ, मंगलवार, 6 अक्टूबर 2020 से 5 नवम्बर 2020 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 10 रूपये

PHOTOGRAPHER ASSOCIATION OF JAMSHEDPUR

ALL PHOTOGRAPHERS OF INDIA ARE INVITED

ONLINE PHOTO GRAPHY CONTEST 2020

SUPPORTED BY JPA CENTRAL
MEDIA PARTNER STUDIO NEWS

* Max 1 Photo in each Category.
* Mail the Image Maximum 2MB (2000pixels longer size)
* No Editing & or manipulation should be done.
* PAJ Committee members are not allowed to take Participate.
* Photos Which are Previously been awarded in any Competition will be disqualified.

e-mail your image at
pajonlinecontest@gmail.com
with your name, photo, mobile no.
& the category

FREE ENTRY

LAST DATE OF
PHOTO SUBMISSION
31-10-2020
RESULT DECLARE ON
3-11-2020

JUDGES ARE

SACHIN BHOR
MENTOR & FINE ART
WEDDING PHOTOGRAPHER

RAJIV RANJAN
TRAVEL PHOTOGRAPHER

UMESH GOGNA
NATURE PHOTOGRAPHER

Categories are
WEDDING
NATURE
STREET LIFE

FOR MORE INFORMATION AND RESULTS
https://www.facebook.com/Photographers-Association-Of-Jamshedpur-225195330980621

+91 98351 72516 (BABULAL PRASAD) +91 92348 25701 (PARAMJEET SINGH)

सम्पादक की कलम से ...

मेरे फोटोग्राफर साथियो,

साथियो स्टूडियो न्यूज़ के अक्टूबर 2020 अंक के साथ हम आपके समक्ष है। साथियो अब समय आ गया कि जो काम आ रहा है उसको हम पूरी मेहनत के साथ करें एवं कोविड 19 की सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन का पूरी तरह पालन करें। किसी भी कीमत में मास्क को न उतारें, मास्क को अच्छी तरह से लगाए और अपने हाथों को काम करते हुए बीच-बीच में सैनीटाइज करें। अपने कैमरे किटके साथ सैनीटाइजर की बोतल अवश्य रखें। सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन करें एवं दूसरों को भी जागरूक करें। दूसरे की लापरवाही की वजह से आप उसके लपेटे में न आ जायें इसलिए आप नियम का पालन करें ही साथ में औरों को भी पालन करवाएं। आने वाली सहालग में काम का अवसर मिला है। ये शुभ संकेत है कि कार्य की शुरूआत हुई, आशा जगी है कि जल्दी ही मार्केट में फिर से पहले की तरह काम की शुरूआत हो जाएगी। साथियो वैसे भी ये वर्ष अपने को सुरक्षित रखने का है, आगे बहुत समय आएगा जहाँ हम अपने व्यवसाय को बढ़ा सकेंगे। इस दौर में कोशिश कीजिये कि आपस में मिल-जुल के साथ रहिये, कहते है जब हम लोग साथ रहते है तो कष्ट आसानी से कट जाते हैं। साथियों जो ये मुश्किल समय आया है ये ग्लोबली है, ये परेशानी केवल आपको ही नहीं है बल्कि इससे सब त्रस्त हैं। जल्दी ही सब लोग इससे बाहर आएंगे ऐसी उम्मीद है। हम जो सबसे अच्छा कार्य कर सकते हैं वह है शांत रहना, होशियार रहना और अपने को भविष्य के लिए तैयार करना ताकि हम किसी भी अर्थव्यवस्था में पनप सकें।

फोटोग्राफर साथियो आप ज्यादा से ज्यादा कार्य स्वयं करिये जैसे फोटो शूट या वीडियो शूट उसके बाद पोस्ट प्रोडक्शन में ध्यान दीजिये क्योंकि पोस्ट प्रोडक्शन ऐसा कार्य है जो आपके शूट में निखार ला सकता है। एल्बम डिज़ाइन करना एवं वीडियो एडिट अगर आप स्वयं करेंगे तो समय बचेगा एवं आप कार्य को अच्छी तरह से कर पाएंगे क्योंकि शूट आप ने किया है, आप लोकेशन पर थे तो आपको पता रहता है कि कौन सी पिक्चर या वीडियो आवश्यक है और कौन सी नहीं। वेडिंग इंडस्ट्री में पोस्ट प्रोडक्शन का बहुत मायने है। आप कितना अच्छा शूट कर लीजिये परन्तु अगर आपका पोस्ट प्रोडक्शन समय पर क्लाइंट के पास नहीं पहुंच पाता तो सब बेकार है। इसलिए कोविड महामारी में जो खाली समय आपको मिला है उसका भरपूर उपयोग अपने को तराशने में लगाइये।

आप लोग मन लगा कर कार्य कीजिये, साथ में अपना एवं अपने परिवार के स्वास्थ्य का ख्याल रखिये। आप सब लोग सुखी एवं स्वस्थ रहे ऐसी कामना करते है। शेष अगले अंक में।

सुरेंदर सिंह बिष्ट
सम्पादक

शोक समाचार

वरिष्ठ छायाकार राजकुमार मठपाल जी का देहांत

बरेली के वरिष्ठ छायाकार राजकुमार मठपाल जी की रोड एक्सीडेंट में दर्दनाक मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजकुमार मठपाल, मीना स्टूडियो, बरेली, 28 सितम्बर को अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल द्वारा काशीपुर से बरेली वापस आते समय रोड पर अचानक कोई जानवर से उनकी जोरदार टक्कर हो गयी जिसके कारण सिर में गम्भीर चोट आयी। उन्हें तुरन्त राममूर्ति मेडिकल कालेज ले जाया गया लेकिन उनकी रास्ते मे ही मृत्यु हो गयी। सूचना मिलते ही फोटोग्राफर एसोसिएशन की टीम ने वहाँ पहुँच कर परिवार को सांत्वना दी। वहाँ पर अरविन्द आनन्द, रमाकांत शुक्ला, मुकेश सक्सेना, जाकिर खान, नरसिंह, चन्दपाल सिंह, राजेश राठौर, सुरजीत सिंह आदि बड़ी संख्या में फोटोग्राफर साथी दुख की घड़ी में साथ में रहे। उनके परिवार में पत्नी के साथ एक बेटा व बेटी को छोड़ गये।

मठपाल जी, विगत 3 दशक से फोटोग्राफी व्यवसाय से जुड़े थे। सरल स्वभाव के मठपाल जी को विगत वर्ष 2019 में वरिष्ठ छायाकार सम्मान से एसोसिएशन द्वारा सम्मानित किया गया था।

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

फ्यूचर टेलीस्कोप कैमरा का इस्तेमाल कर शोधकर्ताओं ने कैप्चर की 3200 एमपी इमेज

डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी एसएलएसी नेशनल एक्सेलेरेटर लैबोरेट्री के शोधकर्ताओं ने लेगेसी सर्वे ऑफ स्पेस व टाइम टेलीस्कोप के फ्यूचर कैमरे का प्रयोग कर सफलतापूर्वक 3200एमपी इमेज कैप्चर की है।

फिल्मिक प्रो का अपडेट लाया है साफ एचडीएमआइ आउटपुट एंड्रायड व आइओएस स्मार्टफोन के लिए

प्रोफेशनल स्मार्टफोन वीडियो कैप्चर एप फिल्मिक प्रो को नया अपडेट मिला है जो कि बाहरी लाइवस्ट्रीमिंग व रिकॉर्डिंग सॉल्यूशन को साफ एचडीएमआइ स्ट्रीम आउटपुट देता है।

कैनन ने रिलीज किया मेजर फर्मवेयर अपडेट अपने ईओएस आर6 के लिए व माइनर अपडेट ईओएस आर5 के लिए

कैनन ने रिलीज किया है फर्मवेयर अपडेट अपने ईओएस आर6 मिररलेस कैमरा के लिए जो दावा करता है बेहतर रिकॉर्डिंग टाइम्स व कई अन्य समस्याओं को सुधारने का।

लाउपिडेक लाइव एक छोटा, लाइवस्ट्रीम केंद्रित लाउपिडेक कन्सोल है

फोटो में इंटीग्रेट व वीडियो एडिटिंग वर्कफ्लो के सक्षम स्ट्रीमर्स का ख्याब देखने के बाद, नया लाउपिडेक लाइव कन्सोल एक छोटा व लाउपिडेक सीटी का अर्फोडेबल विकल्प है।

सम्यांग का 35mm f1.8 ऑटोफोकस लेंस सोनी ईमाउंट कैमरा के लिए

तेज अपर्चर व ऑटोफोकस के कारण यह लेंस छोटे ई माउंट कैमरों से पेयर करने के लिए सटीक है।

सोनी का नया एचवीएल एफ 28 आरएम फ्लैश बेहद पोट्रेट के लिए कैमरा फेस डिटेक्शन का इस्तेमाल करता है

सोनी ने अपने एचवीएल एफ 28 आरएम फ्लैश का एलान किया है। यह छोटा है रेडियो वायरलेस कम्यूनिकेशन देता है, साथ ही बेहतर नतीजों के लिए कंपैटेबल कैमरों में फेस डिटेक्शन सिस्टम के साथ काम कर सकता है।

सोनी ने छोटे एफई 28-60 एमएम एफ4-5.6 फुल फ्रेम जूम का एलान किया

सोनी ने एफई 28-60 एमएम एफ 4-5.6 लेंस का एलान किया, यह एक अल्ट्रा कम्पैक्ट है जो कि ए7सी फुल फ्रेम मिररलेस कैमरे के साथ आता है।

सोनी ने एलान किया छोटा, ट्रैवल-फ्रेंडली ए7सी 24एमपी फुल फ्रेम मिररलेस कैमरा

सोनी ने अपने ए7सी का एलान किया, यह एक छोटा 24एमपी फुल फ्रेम मिररलेस कैमरा है। कंपनी इसे विश्व का सबसे छोटा फुल फ्रेम कैमरा कहती है इमेज स्टैबलाइजेशन के साथ। यह अक्टूबर के अंत में मिलने लगेगा।

गोप्रो ने एलान किया नया हीरो 9 ब्लैक एक्शन कैम का 5के 30पी वीडियो, हाइपरस्मूथ 3.0 व और भी बहुत कुछ

हीरो 9 ब्लैक में फ्रंट फेसिंग डिस्प्ले है, साथ ही 5के वीडियो शूटिंग, बेहतर इमेज स्टैबलाइजेशन तकनीक व रिमूवेबल लेंस हैं जो कि चौंडे एंगल लैंस में भी स्वैप हो सकते हैं।

डेटाकलर ने लॉन्च किया कम दाम का कलर रीडर ईजेड कलर मापने व मैच करने के लिए

नया कलर मापने के टूल को सुगम रूप से कलर मैच करने के हिसाब से डिजाइन किया गया है, यह सस्ता भी है। खासकर के उन लोगों के लिए है जिन्हें सटीक रूप से फैब्रिक, प्रोडक्ट व कपड़ों को रिप्रोड्यूज करना होता है।

मांग में कमी के कारण टैमरॉन अपनी दो फैक्ट्री के क्लोजर को 2020 के अंत तक के लिए बढ़ा रहा है

टैमरॉन ने एलान किया कि वह हीरोसाकी व नामीओका फैक्ट्री को मांग में कमी के कारण बंद कर रहा है। वैश्विक रूप से मांग में कमी कोरोनावायरल के कारण आई है।

अडोब का नया सेन्सी पावर्ड स्काई रिप्लेसमेंट टूल जल्द ही फोटोशॉप पर आ रहा है

अडोब ने वीडियो में नए सेन्सी पावर्ड स्काई रिप्लेसमेंट फीचर दिखाया है, जोकि खुद ही खाली आसमान को अधिक बेहतर इमेज से रिप्लेस कर लेगा।

सैमसंग का नया 980 प्रो पीसीआइई 4.0 एम.2 एसएसडी देता है तेज रीड स्पीड 7000 एमबी प्रति सेकेंड पर

नया तेज प्रदर्शन एसएसडी पीसीआइई 4.0 इंटरफेस का उपयोग करते हैं अपनी अधिकतम स्पीड को पाने के लिए, लेकिन यह पीसीआइई 3.0 इंटरेफेस से भी कम्पैटिबल हैं और देते हैं परफॉमेंस बूस्ट 970 प्रो प्रीडिसेसर के लिए।

कैनन ने ईओएस सी70 का एलान किया, यह एक सिनेमा ईओएस कैमरा है मिररलेस बॉडी में

कैनन ने ईओएस सी70 का एलान किया है, यह एक डिजिटल कैमरा है जिसका डिजाइन मिररलेस स्टिल कैमरे जैसा है। सी70 आरएफ लेंस माउंट का उपयोग करता है, जिससे यह कैनन के नए लेंस सिस्टम को अडॉप्ट करने वाला पहला सिनेमा ईओएस मॉडल बनता।

टैमरॉन ने एलान किया कम्पैक्ट लेंस 70-300एमएम एफ 4.5-6.3 का सोनी ई माउंट कैमरों के लिए

यह लेंस अक्टूबर 29 से सेल होने लगेगा, विश्व का सबसे छोटा व हल्का टेलीफोटो जूम लेंस सोनी ई माउंट फुल फ्रेम मिररलेस कैमरों के लिए।

अक्टूबर में आ रहा है सिग्मा 105 एमएम एफ 2.8 डीजी डीएन मैक्रो ई व एल माउंट के लिए

सिग्मा ने डिजाइन किया नया 105 एमएम एफ 2.8 मैक्रो फुल फ्रेम लेंस एल माउंट व ई माउंट कैमरा बॉडीज के लिए। यह देता है 1:1 रिप्रोडक्शन, प्रयोग करता है नया ऑप्टिकल डिजाइन मिररलेस के लिए व इसकी बिक्री अक्टूबर अंत तक होने लगेगी।

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अक्टूबर 2020 से 5 नवम्बर 2020

मेरी तस्वीरों को देखकर आप यह पाएंगे कि मुझे तस्वीरों में मौजूद उन लोगों और उन क्षणों से प्रेम हो गया था। - एनी लीबोविट्ज़

सिनेमेटिक वीडियो के आधारभूत शॉट

डॉ0 आत्मप्रकाश सिंह, वाराणसी

पिछले 10 से 12 सालों में वीडियो फोटोग्रफरों ने सिनेमेटोग्राफी के लिए अलग अलग लेंसों का महत्व, अपर्चर, फोकस की रेंज और फ्रेम पर सेकेंड की उपयोगिता को बहुत ही बेहतर तरीके से समझा है और यही कारण है कि वो नए-नए DSLR कैमरे और लेंसों में इन्वेस्टमेंट करने लगें हैं।

अगर हम अपर्चर, डेफ्थ ऑफ फील्ड और कंपोजीशन के आधारभूत संरचना और नियमों को समझ लें तो स्वयं से ही नए नए प्रयोग कर के अपनी इच्छानुसार शूट कर सकते हैं और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर प्रयोग कर के खर्चे से भी बच सकते हैं।

पिछले अंक में हम लोगों ने बेसिक कैमरा एंगल्स को समझने की कोशिश की थी। इस बार हम अपर्चर, डेफ्थ ऑफ फील्ड और कंपोजीशन के आधारभूत संरचना को दूर और नजदीक कर के कैसे प्रभावी बनाते हैं अर्थात टेली और वाइड के कौन-कौन से बेसिक शॉट होते हैं उसको समझने की शुरूआत करते हैं।

सबसे पहला आता है वाइड शॉट। इस शॉट में हम अपर्चर को कम खोलते हैं और एक बड़े हिस्से को शूट करते हैं जैसे कोई बड़ा महल, वैवाहिक स्थल, बड़ा हाल, समारोह स्थल, खेल का मैदान, उत्सवों मेलों का दृश्य आदि। इसमें हमारी कोशिश होती है कि हम अधिक से अधिक सब्जेक्ट या चल रही घटनाओं के बड़े से बड़े हिस्से को दिखा सकें। वाइड शॉट में एक्सट्रीम वाइड या अल्ट्रा वाइड, मिड वाइड और माइल्ड वाइड शॉट्स होते हैं जिनके लिए हम 6 mm से 50 mm तक के लेंसों को ले सकते हैं तथा 6 से ले कर 10 mm तक के लेंस फिश आई लेंस या एक्सट्रीम वाइड लेंस की श्रेणी में आते हैं।

दूसरा शॉट होता है मीडियम शॉट इसको waist up shot भी कहते हैं। हम सब्जेक्ट के सर से लेकर घुटने के ऊपर तक का हिस्सा फ्रेम में शूट करते हैं। इस तरह के शॉट में हम बैकग्राउंड को हल्का ब्लर रखते हैं और सब्जेक्ट पर पूरा ध्यान केंद्रित कराने की कोशिश करते हैं। जिसमें दो लोगों के बातचीत, कोई द्वंद, कोई बोर्ड गेम, सजने संवरने आदि जैसे विषयों को शूट करते हैं।

तीसरा शॉट है क्लोजअप शॉट। इसमें नार्मल क्लोज़अप और एक्सट्रीम क्लोज़आप शॉट होते हैं। जिसमे सब्जेक्ट के सिर से ले कर छाती तक के हिस्से को शूट करने को क्लोज़अप तथा मात्र चेहरे को या फिर एक्सट्रीम क्लोजअप में मात्र आंखों को, नथ को, या मेहंदी लगने के दृश्यों आदि को शूट करते हैं। इस तरह के शॉट में अपर्चर को ज़्यादा खोला जाता है जिससे बैकग्राउंड पूरा ब्लर हो जाता है और सारा आकर्षण सब्जेक्ट पर होता है। क्लोज़अप शॉट के लिए 300 mm के 2.8 f अपर्चर वाले लेंसों का प्रयोग बहुत फायदेमंद होता है।

चौथा शॉट ओवर द शोल्डर शॉट होता है। जिसको OTS भी कहते हैं। इसमें हम दो लोगों के एक दूसरे से बातचीत अथवा किसी भी प्रकार के सम्प्रेषण को दिखाते हैं। इसमें कैमरा एक व्यक्ति के कंधे के पीछे से दूसरे व्यक्ति के चेहरे और कन्धे के हिस्से तक शूट करता है।

पांचवा शॉट पैन शॉट होता है जो राइट से लेफ्ट, लेफ्ट से राइट, डाउन से अप और अप से डाउन पैन शॉट होते हैं। पैन शॉट को स्मूथली शूट करने के लिए स्लाइडर, ड्रोन, क्रेन और गिम्बल्स का प्रयोग करते हैं। पैन शॉट जितना स्मूथ होते हैं उतना ही प्रोफेशनल और प्रभावी सिनेमेटिक शूट होता है।

छठवां है ट्रेकिंग शॉट इसमें हम सब्जेक्ट के साथ साथ कैमरा को भी मूव करते हैं जिससे बहुत ही अच्छा ड्रामेटिक प्रभाव उत्पन्न होता है। ट्रैकिंग शॉट में भी गिम्बल्स का प्रयोग अनिवार्य होता है। इससे सीन को स्मूथनेस मिलती है। इसमें फोकस ट्रैकिंग कैमरा होता है तो और भी बेहतरीन परिणाम मिलते हैं।

जब हम बेसिक शॉट और टेली-वाइड लेंसों के प्रयोग को बखूबी समझने लगतें हैं तो हम अपनी क्रिएटिविटी दिखाने के लिए कई रास्ते खोलने में माहिर हो जाते हैं और कम से कम लेंस और जुगाड़ की सामग्रियों से स्लाइडर, गिम्बल्स आदि को बनाने निपुणता प्राप्त करते हैं और अपने खर्चे को कम करते हुए उच्चतम गुणवक्ता का सिनेमेटिक वीडियो शूट करने लगतें हैं।

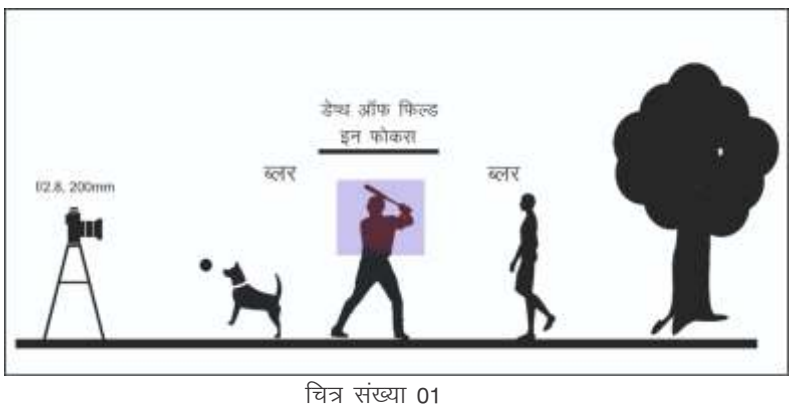

चित्र संख्या 01

चित्र संख्या 02

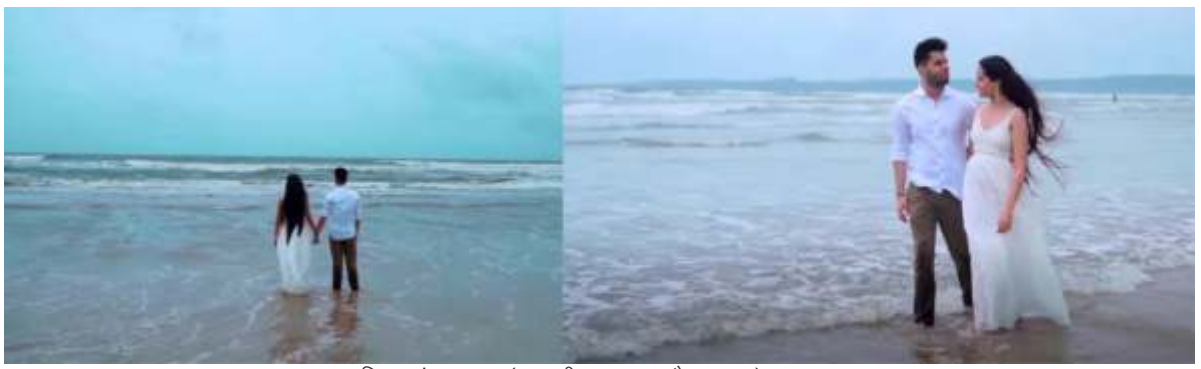

चित्र संख्या 03 (एक्सट्रीम वाइड और वाइड)

चित्र संख्या 04 (एक्सट्रीम क्लोजअप)

चित्र संख्या 05 (ओवर द सोल्डर शॉट)

चित्र संख्या 03, 04 और 05 यू-ट्यूब पर उपलब्ध सिनेमैटिक वीडियोज के स्क्रीन शॉट साभार लिए गए हैं।

महान विभूतियाँ

तुषार कांति दत्ता

FRPS, ARPS, EFIAP

(फरवरी 1937 - जुलाई 2020)

18 फरवरी 1937 को मानिकगंज, ढाका (अब बांग्लादेश) में जन्में तुषार कांति दत्ता का जन्म कलकत्ता (अब कोलकाता) में हुआ। उन्होंने काफी लम्बे अरसे तक ब्रेथवेट बर्न जेसॉप लिमिटेड में काम किया और 1995 में यहाँ से रिटायर हुये।

फोटोग्राफी में जबरदस्त शौक होने के कारण जब वो केवल 10 वर्ष के थे उन्होंने 1947 से ही फोटोग्राफी को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया था। आर्थिक संकट में होने के फलस्वरूप फोटोग्राफी में रूची होने के बावजूद वो कैमरा आदि नहीं खरीद पाये, केवल अपनी आशुरचना पर विश्वास करके इस क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ते रहे। जब उन्होंने कीट-मकोड़ो की फोटोग्राफी शुरू की उस दौरान उन्होंने बहुत कुछ नए अनुभव किए और उन्हें साझा भी किया। उनके मुताबिक प्रकृति को इतने करीब से देखना व अचंभित कर देने वाली प्राकृतिक सत्यता को जानना बेहद गहन था।

कीड़ों की फोटोग्राफी में माहिर एक बेहद अनुभवी प्रकृति के फोटोग्राफर तुषार कांति दत्ता "टी.के. दत्ता" नाम से मशहूर थे व लोग उन्हें प्यार से "पोका दत्ता" भी बुलाते थे। 70 व 80 के दशक में जब प्रकृति फोटोग्राफी करने वालों का ध्यान केवल वन्यजीव व पक्षियों में रहता था तब केवल टीके दत्ता थे जिन्होंने कीड़ों की दुनिया को अपने कैमरे के माध्यम से तस्वीरों में निखारा।

वह पिक्टोरियल फोटोग्राफी के ज्ञाता व ब्लैक एंड व्हाइट, कलर प्रिंट व कलर स्लाइड में भी महारथ रखते थे। वह 70 के मध्य में फोटोग्राफिक एसोसिएशन ऑफ बंगाल से जुड़े और 80 में उसके प्रेसिडेंट बने। उनके पास प्रकृति, पिक्टोरियल व डॉक्यूमेंट्री क्षेत्र की अथाह जानकारी थी। देश भर के कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सैलून में उन्होंने बतौर निर्णायक की भूमिका अदा की। कई सालों तक वो फोटोग्राफी की राष्ट्रीय संस्था फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी के भी नियमित ज्यूरी सदस्य रहे।

वो एक प्रख्यात पिक्टोरियलिस्ट के साथ-साथ भारत के प्रकृति फोटोग्राफर भी थे। इन्सेक्ट फोटोग्राफी के लिए अपनी महारथ के कारण उन्हें "पोका दत्ता" के नाम से भी जाना जाता था।

तितली व अन्य कीड़ों के जीवनकाल को कैप्चर करने के लिए वे कई-कई दिनों तक जुटे रहते थे। उन्हें रॉयल फोटोग्राफिक सोसायटी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन के द्वारा इन्सेक्ट फोटोग्राफी के लिये फेलोशिप (FRPS) से नवाजा गया था। वेस्ट बंगाल के कई फोटोग्राफी क्लब एवं संस्थानों से उनका निकट का सम्बन्ध रहा था, फोटोग्राफिक एसोसिएशन ऑफ दमदम से उनका विशेष लगाव और संबंध था, वो 20 साल से ज्यादा समय तक वह दमदम सलून में नियमित ज्यूरी के सदस्य बनते रहे और साथ ही उनकी अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफिक कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेकर अपना काम प्रदर्शित करते रहे।

- 1976 में, आर्टिस्ट फेडरेशन इंटरनेशनेल डी आर्ट फोटोग्राफिक का

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अक्टूबर 2020 से 5 नवम्बर 2020

असल में फोटोग्राफी का कैमरा से कोई लेना देना नहीं है। - लुकस जेंट्री

सम्मान मिला। (A.FIAP)

- 1976 में श्री फखरूद्दीन अली अहमद से राष्ट्रपति पुरस्कार मिला।
- 1981 में एसोसिएट रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी का सम्मान मिला (ARPS)।
- 1982 में, जापान में 30वें निकॉन क्लब फोटो प्रतियोगिता में मेरिट अवॉर्ड।
- 1983 में, अलाएंस फ्रेंचाइज कलकत्ता ने कलकत्ता में श्री दत्ता की एकल फोटोग्राफिक प्रदर्शनी आयोजित की।
- 1986 में उन्हें नेचर कलर स्लाइड फोटोग्राफी के लिए ग्रेट ब्रिटेन से प्रेसटीजियस डिस्टिंक्शन मिला (FRPS)।
- 1987 में, यूनेस्को ने एक खास किताब प्रकाशित की थी "इंटर्नल एशिया", श्री दत्ता की तस्वीर "द फ्लावर सेलर" उसके कवर पेज में छपी व दो बार किताब के अंदर भी। इसमें 24 देशों से तस्वीरें प्रकाशित की गई थीं। लेकिन केवल दत्ता थे जिनका जिक्र तीन बार हुआ।
- 1989 में उनकी नेचर कलर फोटोग्राफी के लिए उन्हें बेल्जियम की अंतर्राष्टीय फोटोग्राफिक संस्था (FIAP) द्वारा प्रेस्टीजियस डिस्टिंक्शन EFIAP नवाजा गया।
- 1997 में, यूनेस्को ने एक अन्य किताब प्रकाशित की "Asia day by day"। इसमें उन्होंने दत्ता की तस्वीर "बकेटफुल" को प्रथम पन्ने पर प्रकाशित किया।
- नेचर व पिक्टोरियल फोटोग्राफी के लिए अपना योगदान देने हेतु कई संस्थानों से हॉनरेरी फेलोशिप मिली।

इसके अलावा, उन्हें कई क्षेत्रों में महान कार्य व उपलब्धियों के लिए अवॉर्ड व सम्मान भी मिले।

श्री दत्ता की पहली एकल प्रदर्शनी प्रकृति व पिक्टोरियल तस्वीरों पर आधारित थी जो कि कलकत्ता की फाइन आर्ट अकादमी में अप्रैल 2005 में लगायी गयी। बड़े स्केल कलर व ब्लैक एंड व्हाइट डिजिटल प्रिंट- (65 × 35) इंच व 80 × 24 डिस्प्ले में थे। अप्रैल 2006 में उनकी दूसरी एकल प्रदर्शनी भी वहीं पर हुई जिसका नाम था "Calcutta caught behind", ऐसी प्रदर्शनी कोलकाता में पहली बार हुई थी।

दत्ता साहब से मेरी मुलाकात दो बार कोलकाता में हुई। हम फोटोग्राफिक सैलून की निर्णायक मंडली में थे। मुझे वे बेहद शालीन व ज़मीन से जुड़े शख्स दिखे। बेहद सरल व मधुभाषी, एक बेहतरीन शिक्षक व बेहद मददगार शख्सियत भी थे। प्रकृति फोटोग्राफी व कीड़ों पर उनकी जानकारी को देखकर मैं स्तब्ध रह गया था।

अभी हाल ही में तुषार कांति दत्ता जी नहीं रहे, हम सभी के लिये बहुत बड़ा आघात था, उन्होंने 84 की उम्र में 17 जुलाई, 2020 को शाम चार बजे देह त्याग दी। संपूर्ण फोटोग्राफी जगत ने एक अभूतपूर्व फोटोग्राफर खो दिया जिसने अपने जीवन के अंतिम दिनों में भी फोटोग्राफी का साथ नहीं छोड़ा और उससे निकटता बनाई रखी। भारतीय व अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी के विकास के लिए तुषार कांति दत्ता का योगदान अतुल्य है। उनके जाने से भारत एवं विश्व ने एक धुरंधर इन्सेक्ट फोटोग्राफी के ज्ञाता व फोटोग्राफी के विशेषज्ञ जानकार को खो दिया।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

प्रॉप्स यानि अभिव्यक्तिहेतु सहयोगी सामग्री

गणेश शर्मा
मेंटर एवं वेडिंग फोटोग्राफर

प्रेम, जैसे इतने बार प्रेम लिखना या पढ़ना अरूचिकर लगता है, उसी प्रकार प्री-वेडिंग फोटोशूट में केवल और केवल रोमांटिक शॉट भी अरूचिकर लगते है, अगर आप प्री-वेडिंग फोटोशूट में सिर्फ रोमांटिक मूड वाले फोटो शूट करते हैं, तो कुछ अन्य मूड वाले फोटो भी अपने शूट लिस्ट में अवश्य जोड़ लीजिए, क्योंकि भिन्न-भिन्न मूड वाले फोटो ज्यादा आकर्षक लगते हैं बजाय एक जैसे मूड वाले फोटो के।

हमारे क्लाईंट जो विभिन्न प्रकार के भाव प्रदर्शन वाले फोटो चाहते है, प्रॉप्स उनके लिए सहयोगी तत्व की भूमिका निभाते हैं। शूट के दौरान कभी कुछ कपल बहुत अच्छी भाव भंगिमा एवं आकर्षक मुद्राए सहज रूप से कर पाते हैं, और कुछ जोड़े यह नहीं कर पाते हैं। हमारे हर कपल से हम बेहतर अभिनय या अभिव्यक्ति की उम्मीद नहीं कर सकते, क्योंकि यह करना सभी के लिए आसान नहीं होता है। कई बार कपल में से कोइ एक पोज या एक्सप्रेशन देने में बहुत अच्छा परफॉर्म करता है और दूसरा सामान्य परफॉर्म करता है। ऐसे समय में भी प्रॉप्स विभिन्न प्रकार के भाव प्रदर्शन करने में उनके मददगार साबित होते है।

आमतौर पर फोटोग्राफी में प्रॉप्स की भूमिका एक तस्वीर में चरित्र और रूचि को जोड़ने या दृश्य के संदर्भ को जोड़ने में मदद करना है। प्रॉप्स शूट को अधिक आकर्षक बनाने में आपकी मदद करते हैं। प्रॉप्स आपकी तस्वीरों में चरित्र और अभिनय जोड़ने का एक शानदार सहयोगी है। जब आप प्रॉप्स का उपयोग ठीक से करते है, तो वे ऐसी छवियां बना सकते हैं जो देखने में अधिक दिलचस्प लग सकती हैं। प्रॉप्स आपके विषयों को अधिक आरामदायक वातावरण प्रदान करते हैं। प्रॉप्स के साथ जब आप शूट करते हैं, तो आपको तस्वीरें लेते समय आपके क्लाइंट अपना ध्यान अपनी विशेष प्रकार की अभिव्यक्ति पर केंद्रित कर सकते हैं। प्रॉप्स न केवल शूटिंग के दौरान आपके कपल को आरामदायक माहौल देता है बल्कि आपको बेहतरीन तस्वीरों में नाटकीयता जोड़ने में भी मदद करता है।

प्रॉप्स क्या-क्या हो सकते है इसके कोइ नियम नहीं हैं, इसका निर्धारण आपको करना होता है, कुछ प्रॉप्स आपको पैसो से खरीदना पड़ता है और कई बार आस-पास की सामाग्री को प्रॉप्स के रूप में चतुराई से प्रयोग करना पड़ता है, प्री-वेडिंग फोटोग्राफी हेतु आपको प्रॉप्स के एक से ज्यादा बैग तैयार करने होते है, क्योंकि अगर आपके पास गिनती के कुछ प्रॉप्स ही होंगे तो आप शूट में ज्यादा नए प्रयोग नहीं कर सकते हैं, जिन शहरों में खूबसूरत प्री-वेडिंग स्पॉट नहीं हैं वहां के फोटोग्राफर भाईयों को प्रॉप्स पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है, मेरा यह मानना है कि पर्याप्त मात्रा में प्रॉप्स होने पर जंगल में मंगल किया जा सकता है।

प्रॉप्स कहां से ख़रीदे

जब मैंने प्री-वेडिंग फोटोग्राफी प्रारंभ करने का मन बनाया तो सबसे पहले फोटोगुड्स की दुकान पर प्रॉप्स खरीदने पहुंचा। 2000 और 3000 रूपये के पैकेट उपलब्ध थे, 3000 रूपये का पैकेट यह सोच कर खरीदा कि जो ज्यादा महंगा होगा वह ज्यादा अच्छा होगा, पर अफ़सोस पैकेट में उपलब्ध ज्यादातर प्रॉप्स प्री-वेडिंग हेतु अनुपयोगी थे, बाद में कुछ प्लाकार्ड्स (कुछ शब्द लिखे हुए तख्तीनुमा कार्ड, जिन्हे फोटोग्राफी के समय हाथ में पकड़ा जाता है) ऑनलाइन भी ख़रीदे, परन्तु ये भी अनुपयोगी थे, क्योकि ज्यादातर ऑनलाइन वाले प्रॉप्स सस्ते तो होते हैं परन्तु यह बहुत छोटे और अनाकर्षक होते है, अगर आप अपने शूट के लिए प्रॉप्स बैग तैयार करना चाहते हैं तो यह लेख आपके प्रॉप्स बैग को कम खर्चे में तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा।

प्री-वेडिंग फोटोग्राफी में सहायक कुछ प्रॉप्स

1. प्लाकार्ड्स - फोटोगुड्स की दुकान पर यह मिल सकते हैं, वहां पर सभी को एक जैसे प्रॉप्स ही मिलेंगे, आप अगर कुछ अलग करना चाहते हैं तो इनका निर्माण स्वयं करवा सकते है, क्रिएटिव टेक्स्ट को फोटोशॉप अथवा कोरल ड्रा पर डिजाइन कर के CMYK प्रिंट करवा ले, तदुपरांत इसे काट ले, आवश्यकता अनुसार आप इसे दफ़्ती या हार्ड बोर्ड पर चिपका सकते है, यद्यपि यह थोड़ा श्रमसाध्य है, पर आप द्वारा निर्मित प्लाकार्ड्स बाजार में उपलध प्लाकार्ड्स से भिन्न और आकर्षक होंगे।

2. स्टाइलिश चश्मे - कई बार क्लाइंट अपने सनग्लास लाना भूल जाते हैं, धुप में फोटोशूट के समय अत्यधिक रौशनी के प्रभाव से क्लाईंट के आँखे सिकुड़ कर छोटी हो जाती हैं। कभी-कभी ऐसे क्लाइंट भी मिलते हैं जिनकी पलके ज्यादा झपकती है और फोटोशूट में बहुत बार आँखे बंद हो जाती हैं, इन परिस्तिथियों में स्टाइलिश चश्मे बहुत मददगार होते हैं। अगर आप क्लाइंट को शूट बुक करते समय ही स्टाइलिश अथवा उनके चेहरे पर फबने वाले चश्मे लाने के लिए बता देंगे तो आपको इनपर ज्यादा पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं होगी, केवल 1-2 चश्मे आप विशेष समय हेतु रख सकते हैं।

3. त्यौहारी प्रॉप्स - दीपावली के आसपास फोटोशूट में आप आकाशदीप, दीपक और सुन्दर आतिशबाजी को शामिल कर सकते हैं, वहीं होली पर गुलाल का प्रयोग कर तस्वीरों को आकर्षक बना सकते हैं, इनका प्रयोग सावधानी से करना चाहिए।

4. छाते - सतरंगी छाता, हार्ट शेप छाता, रंग-बिरंगे राजस्थानी छाते, पोर्टा लाइट में प्रयोग किये जाने वाले सफ़ेद छाते सहित पारदर्शी छाते भी, प्री-वेडिंग शूट में प्रयोग

7. फ्लावर पेटल्स - फूलो की पंखुडिया फोटो को खूबसूरत बनाने एवं सजावट के लिए प्रयोग होते हैं। इन्हे हार्ट शेप में सजाकर और हवा में उड़ाकर भी प्रयोग किया जाता है, यह सभी मौसमों में मिल सकते है, परन्तु इनके मूल्य ऋतुओ के अनुसार कम अथवा अधिक हो सकते है।

8. राइस लाइटस - बैटरी या पावर बैंक से प्रकाशित होने वाली सजावटी झालर आपके बैग में जरूर होने चाहिए, ये आकर्षक होने के साथ शॉकप्रूफ एवं वाटर प्रूफ भी होती हैं, सजावट हेतु इन्हे शीशे के गिलास एवं बोतलों में पानी के अंदर डुबोकर भी प्रयोग कर सकते हैं। कैंडल लाइट मूड वाले

STUDIO NEWS
लखनऊ, मंगलवार, 6 अक्टूबर 2020 से 5 नवम्बर 2020

चित्र इमारत की ही तरह बनाया जाता है-आधार, नींव, दीवारें, बीम, छत और तब जाकर वह टिकता है। - हेनरी कार्तिए-ब्रेसौं

आसान होता है, विभिन्न प्रकार के गुब्बारे शूट का हिस्सा बनते रहें हैं, हार्ट शेप के गैस वाले गुब्बारे पसंदीदा प्रॉप्स माने जाते हैं, गुब्बारों पर स्केच पेन अथवा मोटी लिखावट वाले पेन से कुछ शब्द लिखने के बाद फुला कर प्रयोग किये जाते हैं।

11. हार्ट शेप पिलो - यह भी एक काफी प्रचलित प्रॉप है, एक बार खरीद कर कई वर्ष तक प्रयोग कर सकते हैं।

12. दुपट्टा/आँचल - आँचल और दुपट्टा उड़ाने वाले शॉट सभी को बहुत पसंद आते हैं, आप चाहें तो कुछ एक-दो प्रचलित (मैरून एवं नीला) रंगो के बड़े साइज के दुपट्टे अपने साथ रख सकते हैं, और क्लाइंट को उसी रंग के कपड़े खरीदने के लिए कह सकते हैं।

13. पिलो एवं फर - फाइट फॉर फन वाली फोटो हेतु इनका प्रयोग होता है।

14. कार/जीप अथवा बाईक - क्लाईंट के इन साधनो का प्रयोग आप प्रॉप्स के रूप में कर सकते हैं।

15. प्रिंटेड टी-शर्ट्स - शूट बुक करते समय आप क्लाइंट को कस्टमाइज प्रिंटेड टी-शर्ट खरीदने के लिए कह सकते है, 1-2 जोड़े टी-शर्ट आप अपने बैग का हिस्सा बना सकते हैं।

इनके अतिरिक्त भी आप प्रॉप्स हेतु अनेक सामग्री का प्रयोग कर सकते है।

सावधानियाँ

एक ओर जहाँ उचित ढंग से प्रयोग किये गए प्रॉप्स आपकी तस्वीरो को खूबरसूरती प्रदान करते हैं, वहीं अनुचित प्रॉप्स आपकी तस्वीरों को खराब और बर्बाद भी करने की क्षमता रखते हैं, जिन तरीकों से आप अपनी तस्वीरों को बर्बाद कर सकते हैं, उनमें से एक है प्रॉप के गलत सेट का उपयोग करना, ऐसे प्रॉप्स का उपयोग नहीं करना चाहिए जो आपके शॉट में फिट नहीं होते हैं, अटपटे से लगते हैं। आपको एक बात विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हर दृश्य के लिए एक अलग प्रॉप की आवश्यकता होती है, कोई भी प्रॉप आपके शॉट में कहीं भी फिट हो जय यह जरूरी नहीं है। अतः जब आप शूट करने जा रहे हों, तो प्रॉप्स का चयन करते समय आपको अपना समय लेने की आवश्यकता होती है।

यह याद रखना अच्छा है कि आपको महंगे प्रॉप्स लेने या खरीदने की ज़रूरत नहीं है, आप अपनी क्रिएटिविटी का उपयोग कर नए प्रॉप्स का निर्माण कर सकते हैं।

प्रॉप्स का अत्यधिक प्रयोग न करें

इसमें कोई शक नहीं है कि प्रॉप्स आपके शॉट्स को वास्तव में आकर्षक बना सकते हैं पर अगर आपको यह लगता है कि आप जितना अधिक प्रॉप्स का उपयोग करेंगे, आपकी तस्वीरें उतनी ही बेहतर होंगी तो यह एक कोरा भ्रम है, अत्यधिक प्रॉप्स का प्रयोग आपके तस्वीरो को नीरस बना सकता है। ध्यान रक्खें आप जितने कम प्रॉप्स का इस्तेमाल करेंगे, उतना ही अच्छा होगा। प्रॉप्स का उपयोग करने का मुख्य उद्देश्य आपकी तस्वीरों में चरित्र जोड़ना और उन्हें अपने विषय को प्रतिस्थापित नहीं करने के लिए और अधिक रोचक बनाना है। जब आप बहुत अधिक प्रॉप्स का उपयोग करते हैं, तो आप अपने विषय से ध्यान खींच कर केवल प्रॉप्स पर ही केंद्रित हो जाते हैं। प्रॉप्स का सही ढंग से प्रयोग न करने पर यह विषय के पूरक होने के बजाय विकर्षण के कारक बन जाते है। इसलिए, आपको प्रॉप्स के अपने उपयोग को कम करने की कोशिश करनी चाहिए, जब ही इनका प्रयोग करें इन्हे अनूठे तरीके से स्थान दें, नए तरीके इनका उपयोग न केवल नया और दिलचस्प लगेगा, बल्कि आपके दर्शकों का ध्यान आपकी तस्वीरों की ओर भी बढ़ाएगा।

आपको अपनी फोटोग्राफी में प्रॉप का उपयोग करने से डरना नहीं चाहिए, बल्कि अपने काम में थोड़ी सी अतिरिक्त चमक जोड़ने में मदद प्राप्त करने हेतु इनका उपयोग करें, कुछ ऐसा जो आपको अधिक रचनात्मक बनने में मदद करेगा, इन्हें बुद्धिमानी से उपयोग करने के लिए याद रखें, उन्हें अति प्रयोग करने की कोशिश न करें।

चाइल्ड फोटोग्राफी और बैकग्राउंड सेटप्स

अभिनीत सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

हैलो दोस्तों, कैसे है आप लोग? करोना महामारी को चलते चलते तकरीबन 10 महीने हो चले हैं। हमारी आपकी सबकी जिंदगी में बहोत कुछ बदल गया है। हमारे रहने का ढंग, मिलने का ढंग, बातचीत का ढंग, वगैरा सब बदल चुका है। सबसे ज्यादा असर अगर किसी इंडस्ट्री पे पड़ा है तो वो है फोटोग्राफी और टूरिज्म इंडस्ट्री पे। वो कहावत है न - वक़्त कैसा भी हो एक ना एक दिन बदल ही जाता हैं-उम्मीद है एक दिन ये वक़्त भी बदल जाएगा। आइये बढ़ते हैं अपने इस मंथ के आर्टिकल की तरफ। दोस्तों जैसा की पिछले अंक में आप सब ने पढ़ा था, की किस तरह से इंडोर शूट करते वक़्त आपको एक्सटर्नल लाइट सोर्स की जरूरत पड़ती है अक्सर विंडो लाइट होने के बावजूद आपको एक्सटर्नल लाइट सोर्स लगाना पड़ ही जाता हैं। ये लाइट सोर्सेज-एक्सटर्नल फ़्लैश लाइट्स या स्टूडियो लाइट्स हो सकती हैं। हम एक्सटर्नल फ़्लैश लाइट में अम्ब्रेला या सॉफ्टबॉक्स का ही यूज़ करते हैं। इस बार के आर्टिकल में हम जानेंगे की फोटोशूट के टाइम एक्सटर्नल लाइट सोर्स के अलावा आपको और किन किन चीज़ो की जरूरत पड़ती हैं। जब कभी भी हम इंडोर शूट करते है तो हमारे शूट के लिए सबसे इम्पोर्टेन्ट होता है उसका बैकग्राउंड। और ये बैकग्राउंड आपको ज्यादातर केसेस में क्रिएट करना पड़ता है। बैकग्राउंड क्रिएशन, एक बहोत ही इम्पोर्टेन्ट और कंपल्सरी टास्क होता है। बैकग्राउंड क्रिएट करने में सबसे ज्यादा इम्पोर्टेन्ट उसका बैकड्रॉप होता है। बैकड्रॉप क्या चीज़ होती है ? बैकड्रॉप का मतलब है बैकग्राउंड का वो पार्ट जिसपे आपका सब्जेक्ट प्लेस होता है । शूट के टाइम ही बैकड्रॉप का इंस्टालेशन होता है और उसमे प्रॉप्स वग़ैरा लगाए जाते है। बैकड्रॉप बनाने के लिए आपके पास कई ऑप्शंस होते हैं। आप बैकड्रॉप बनाने के लिए किसी क्लॉथ का या किसी पेपर का यूज़ कर सकते है। क्लॉथ या पेपर का सेलेक्शन करते वक़्त इस बात का विशेष ध्यान रखना है कि दोनों ही मटेरिअल में किसी भी प्रकार का शाइन नहीं होना चाहिए। मेरा कहने का मतलब है की लाइट पड़ने पे किसी भी तरह से रिफ्लेक्शन नहीं आना चाहिए। क्यूंकि शूट करते वक़्त अगर लाइट रिफ्लेक्ट होती है तो आपकी फोटोज के खराब होने के पूरे पूरे चान्सेस होते हैं, इसीलिए बैकड्रॉप का सिलेक्शन बहोत ध्यान से करना पड़ता है। मार्केट में बहोत वैरायटी के कपडे और वॉलपेपर अवेलेबल हैं जो आप अपने शूट के लिए यूज़ कर सकते हैं- जैसे की मुस्लिन, कैनवास , एमडीएफ शीट्स, वुडेन बोर्ड्स वग़ैरा। इसके अलावा आप चाहे तो अपने घर में इस्तेमाल होने वाली बेडशीट्स को भी बैकड्रॉप की तरह यूज़ में ला सकते हैं। आपको एक बात का और ध्यान रखना पड़ेगा की आपके बैकड्रॉप के अकॉर्डिंग ही आपके सब्जेक्ट के कपड़ो का कलर या प्रॉप्स का कलर डिसाइड होता हैं। बैकड्रॉप के सेलेक्शन और प्लेसमेंट के बाद आपके पास सबसे इम्पोर्टेन्ट टास्क होता है लाइटस का प्लेसमेंट। लाइट्स के प्लेसमेंट के लिए ये देखना जरूरी होता है की आपकी लोकेशन पे लाइट सोर्सेज क्या क्या है। अगर शूटिंग पॉइंट ऑफ़ व्यू से आपके पास विंडो लाइट इतनी अवेलेबल हैं की आपको एक्सटर्नल लाइट की जरूरत नहीं पड़े तो आप बहोत आराम से बैकड्रॉप के अकॉर्डिंग सब्जेक्ट के राइट प्लेसमेंट के साथ अपना शूट ओर्गनइज कर सकते हैं। और अगर आपके पास विंडो लाइट उतनी अवेलेबल नहीं है जितनी आपको जरूरत है तो आप एक्सटर्नल लाइट के साथ भी शूट कर सकते। बैकड्रॉप पे और सब्जेक्ट पे, लाइट का प्रॉपर फॉल करना बहोत जरूरी होता है। आपकी लाइट की प्लेस्मेंट इस तरह से होनी चाहिए की आपका फोर्डरोप और बैकड्रॉप दोनों ही प्रॉपर्ली एक्सपोज्ड हो।

शूटिंग करते वक़्त जब आपका लाइट सेटअप हो जाता है तब आपको फाइनल शूट के पहले कई सारे टेस्ट शॉट लेने पड़ते हैं। फाइनल शूट के पहले जो फोटोज खींची जाती है, अपना कैमरा एक्सपोज़र चेक करने के लिए, उन्हें ही टेस्ट शॉट्स कहते है। आपको कई बार टेस्ट शॉट्स लेने होते है ताकि आपका फाइनल रिजल्ट ऐसा आ जाये की आपका शूट कम्पलीट हो सके। पर ऐसा नहीं है की सिर्फ करेक्ट एक्सपोज़र ही सब कुछ होता है फाइनल रिजल्ट के लिए, आपको शूट के बाद भी पोस्ट प्रोडक्शन का काम करना पड़ता है। पोस्ट प्रोडक्शन का मतलब फोटो एडिटिंग से है। फोटोज़ की एडिटिंग इसलिए भी बहोत जरूरी होती है क्यूंकि आपका कैमरा कभी एक्जैक्ट वैसा रिजल्ट नहीं दे सकता जैसा आपकी आँखें देखती हैं। हमेशा प्रॉपर्ली बैलेंस्ड फोटोज़ के लिए फोटोज़ की एडिटिंग बहोत जरूरी होती हैं। एडिटिंग में सबसे ज्यादा यूज़ होने वाले सॉफ्टवर्स जो हैं वो हैं "फोटोशॉप और लाइटरूम"। अगर आपको सिर्फ बेसिक लेवल पे फोटोज एडिट करनी होतो तो आपके लिए "लाइटरूम" काफी हैं। लाइटरूम में एडिटिंग के बहोत से टूल्स होते हैं जो बहोत ही सिंपल और इफेक्टिव हैं। एक्सपोज़र, कलर टेम्परेचर, क्लैरिटी, शार्पनेस, लेंस करेक्शन, विजिनेट, और बहोत कुछ। अब आपको एक बात ये समझनी पड़ेगी की सिर्फ शूट से कुछ नहीं होता, आपकी फोटोज में एडिटिंग का भी उतना ही रोल है जितना शूट का। फोटो एनहांसमेंट के लिए जैसे लाइटरूम बहोत अच्छा सॉफ्टवेयर है वैसे ही एडोबी फोटोशॉप लाइटरूम से भी एडवांस सॉफ्टवेयर हैं। फोटोशॉप में आप एन्हांसमेंट्स के साथ साथ एडवांस लेवल की एडिटिंग भी कर सकते हैं-जैसे लेयरिंग-मास्किंग वगेहरा। इस अंक में दोस्तों इतना ही मिलेंगे अगली बार दोबारा एक नए टॉपिक और नॉलेज के साथ, अपना बहोत ख्याल रक्खें। बाए।

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 0522-4108575, ई-मेलः infostudionewsup@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in